Daily

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

BY- ABHAY SIR

दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS — JOURNALISM OF COURAGE

दैनिक भास्कर

THE HINDU

जनसत्ता

Result Mitra™

पेरिस ओलंपिक 2024

- **चर्चा में क्यों :–** हाल ही में प्रधानमंत्री ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए रवाना होने वाले भारतीय दल से बातचीत की

- पेरिस में होने वाले 2024 के ओलंपिक के जिन भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है उनकी मुलाकात हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री से हुई तथा अब यह दल पेरिस के लिए रवाना होने वाला है जहां पर 26 जुलाई से ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा।

- पेरिस ओलंपिक खेलों की शुरुआत 26जुलाई से हो रही है।

- **भारत से उम्मीद :–** इस बार भारत ओलंपिक दल से उम्मीद कि जा रही है की वह इस बार पिछले ओलंपिक खेलों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करें और अधिक मेडल प्राप्त करें।

- 7 से ज्यादा पदक अपने नाम दर्ज कराए। आइए जानते हैं किन भारतीय एथलेटिक्स ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया।

- पिछला ओलंपिक टोक्यो में आयोजित किया गया था जिसमे भारत ने 7 पदक अपने नाम किए थे।

टोक्यो ओलंपिक 2021 :–

- टोक्यो ओलंपिक में भारत के नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता था यह एथलेटिक्स में जीत गया भारत का पहला गोल्ड मेडल था
- पिछले ओलंपिक में भारतीय दल में 124 एथलीट ने भाग लिया था।
- इस बार 82 खिलाड़ियों का दल टोक्यो ओलंपिक में शामिल होगा।

ओलंपिक खेल और इतिहास :–

- प्राचीन ओलम्पिक खेल प्रारंभ :– 776 ईसा पूर्व में, यूनान के ओलम्पिया शहर में।
- पहले प्राचीन ओलंपिक का आयोजन ग्रीक देवता ज्यूस के सम्मान में खेला गया गया।

Result Mitra

- इन खेलों का आयोजन प्रत्येक 4 वर्ष में किया जाता था।

- यह खेल प्रत्येक चार वर्षों में एक बार 394 ई. तक आयोजित किए जाते रहे।

- 394 ईस्वी में रोम के तत्कालीन राजा थियोडोसियस के आदेश के अनुसार इन खेलों को बंद कर दिया गया।

- आधुनिक ओलम्पिक :– प्रारंभ 6 अप्रैल, 1896 ई. को

- किसके द्वारा :– फ्रांस के बैरोन पियरे डि कोबार्टिन।
- कहां :– यूनान के शहर एथेंस में।
- आयोजन :– प्रत्येक चार वर्ष में।
- साथ ही 1924 में पहले शीतकालीन ओलंपिक का आयोजन चमोनिक्स (फ्रांस) में किया गया जबकि 1960 में रोम (इटली) में पहले पैराओलंपिक खेल का आयोजन हुआ।

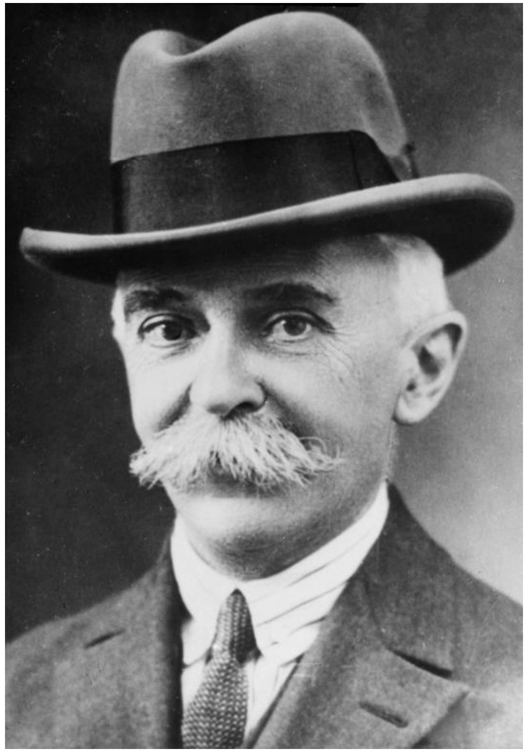

Result Mitra

अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति :–

- स्थापना :– 1894 ई. में
- कहां :– सखोन नामक स्थान पर।
- मुख्यालय :– लोसाने (स्विट्जरलैंड) में।
- आधिकारिक भाषा :– अंग्रेजी एवं फ्रेंच।
- अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के सक्रिय सदस्य देशों की संख्या :– 105।
- ओलंपिक समिति के वर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाख जर्मनी से संबंधित है 2013 से इस पद पर हैं।

INTERNATIONAL
OLYMPIC
COMMITTEE

- जबकि ओलंपिक के पहले अध्यक्ष डिमिट्रियास विकेलास जो कि यूनान से संबंधित थे तथा इनका कार्यकाल 1894 से 1896 था

- भारतीय ओलंपिक समिति की स्थापना 1924 में हुई इसके पहले अध्यक्ष जे जे टाटा को बनाया गया

- ओलंपिक समिति की कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष तीन उपाध्यक्ष तथा सात अन्य सदस्य होते हैं।

- नीता अंबानी पहली भारतीय महिला हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति में सदस्य के तौर पर जोड़ा गया है।

- इस पद पर नीता अंबानी 70 वर्ष की आयु तक जुड़ी रहेगी।

ओलंपिक का उद्देश्य मोटो (Olympic Motto) :–

- लैटिन में ओलम्पिक के उद्देश्य सिटियस, अल्टियस, फोर्टियस (Citius, Altius, Fortius) हैं

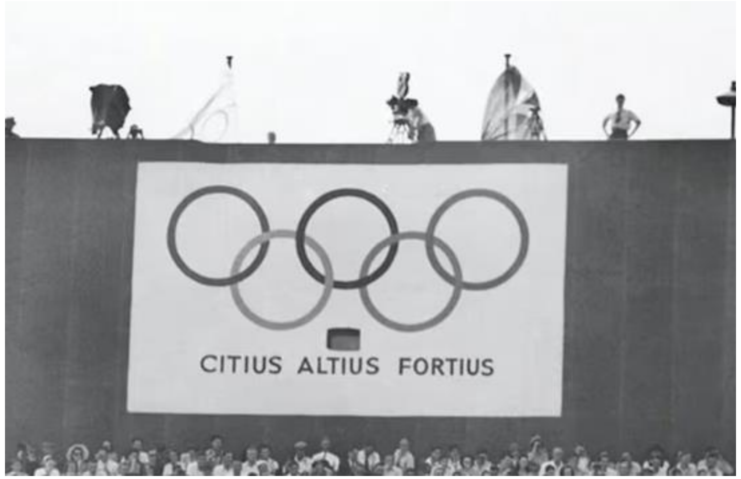

- अर्थ :- तेज, ऊँचा और बलवान।
- ओलंपिक के उद्देश्य का निर्माण 1897 ई. में फादर डिडोन के द्वारा किया गया।
- उद्देश्य को पहली बार 1920 के ओलम्पिक एंटवर्प (बेल्जियम) ओलम्पिक खेलों में प्रयोग किया गया।

- 2021 में इसमें Together (एक जुटता) जोड़ा गया।

ओलम्पिक मशाल (Olympic Flame):

- जलाने की शुरुआत :– 1928 ई. के एम्सटर्डम ओलम्पिक से।

- मशाल का वर्तमान स्वरूप 1936 के बर्लिन ओलम्पिक खेलों में अपनाया गया।

- बर्लिन ओलंपिक से ही मसाला को ओलंपिक स्थल तक लाने का प्रचलन प्रारंभ हुआ था।

- इस मसाला की विशेषता :– इस मसाला को ओलंपिक प्रारंभ होने से कुछ दिन पूर्व यूनान के ओलम्पिया शहर के हेरा मंदिर के सामने सूर्य किरणों से जलाया जाता है

ओलम्पिक ध्वज (Olympic Flag) :–

- सुझाव देने वाली:– बैरोन पियरे डि कोवार्टिन
- सृजन कब :– 1913 ई. में।
- विधिवत उद्घाटन :– जून 1914 में पेरिस में
- पहली बार प्रयोग :– 1920 ई. के एंटवर्प ओलम्पिक में।
- ध्वज में सिल्क कपड़े का प्रयोग किया जाता है जबकि इसकी पृष्ठभूमि सफेद है।

- सफेद पृष्ठभूमि के मध्य में पांच गोल हैं जो अलग-अलग रंग के हैं तथा अलग-अलग महाद्वीपों को दर्शाते हैं
- ऑस्ट्रेलिया को हरा चक्र दर्शाता है
- पीला चक्र एशिया को
- उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका को लाल चक्र
- काल चक्र अफ्रीकी कॉन्टिनेंट
- नीला चक्र यूरोप.

- **ओलंपिक पदक :–** ओलंपिक में विजेताओं को तीन प्रकार के पदकों से सम्मानित किया जाता है :– स्वर्ण , रजत और कांस्य I

- क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को मिलता है|

- **स्वर्ण पदक :–** 60 मिमी वृत्त में एवं 3 मिमी मोटा होता है| इसमें 92.5% रजत तथा 6 ग्राम सोने का बना होता है|

- **रजत पदक :–** 60 मिमी वृत्त में एवं 3 मिमी मोटाई वाला होता है| इसमें 92.5% रजत का बना होता है|

- **कांस्य पदक :–** 100 % कांस्य का बना होता है| स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक,

Result Mitra

- टोक्यो ओलंपिक के टॉप 10 देश :– अमेरिका 113 मेडल ,चीन 88 मेडल , जापान 58 , ब्रिटेन 65 , रूसी ओलंपिक समिति 71, ऑस्ट्रेलिया 40, नीदरलैंड 36, फ्रांस 33 ,जर्मनी 37 और इटली 40

- भारत 48 नंबर पर रहा जिसमे 1 स्वर्ण ,2 रजत , 4 कांस्य कुल 7 पदक जीते।

Result Mitra

‘सम्पूर्णता अभियान’

Result Mitra

- चर्चा में क्यों :– नीति आयोग द्वारा हाल ही में 'सम्पूर्णता अभियान' शुरू किया गया।

आकांक्षी ब्लॉकों कार्यक्रम :–

- क्या है :– एक विकास पहल
- उद्देश्य :– विभिन्न विकास मापदंडों पर पिछड़ रहे क्षेत्रों के प्रदर्शन में सुधार लाना।
- आकांक्षी ब्लॉकों कार्यक्रम की घोषणा :– केंद्रीय बजट 2022-23 में ।
- शुरुआत :– 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 500 जिलों में।

- जिन 500 जिलों में इस योजना को लागू किया गया है उसमें से आधे से अधिक ब्लॉक छह राज्यों में थे - मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में स्थित होंगे।

एबीपी आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) :–

क्या है आकांक्षी जिला कार्यक्रम :–

- लॉन्च :– 2018 में। नीति आयोग के तहत

- उद्देश्य :– उन जिलों को बदलना जिन्होंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम प्रगति दर्ज की है या दिखाई है।

- यह निम्नलिखित पांच विषयों पर ध्यान केंद्रित करता है: – स्वास्थ्य और पोषण; शिक्षा; कृषि और संबद्ध सेवाएं; बुनियादी ढांचा; तथा सामाजिक विकास।

Result Mitra

- आकांक्षी जिले में भारत के उन जिलों को शामिल किया जाता है जो खराब सामाजिक-आर्थिक संकेतकों से प्रभावित हैं।
- इसमें 112 जिले शामिल किए गए हैं।
- इस कार्यक्रम का संचालन भारत सरकार के स्तर पर, नीति आयोग करता है। इसके अलावा, अलग-अलग मंत्रालयों ने जिलों की प्रगति को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाली है।
- किन क्षेत्रों में लागू हो गई है अभियान :– 500 आकांक्षी ब्लॉकों और 112 आकांक्षी जिलों में 12 प्रमुख सामाजिक क्षेत्र संकेतकों में।

- अभियान का उद्देश्य :– यह निम्नलिखित पांच विषयों पर ध्यान केंद्रित करता है: स्वास्थ्य और पोषण; शिक्षा; कृषि और जल संसाधन;
- वित्तीय समावेशन और कौशल विकास; तथा बुनियादी ढांचा।

- समय सीमा :– 4 जुलाई से 30 सितंबर, 2024 तक 3 महीने का अभियान।

- आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों ने 'सम्पूर्णता संकल्प' के माध्यम से अपने सिद्धांतों को दोहराते हुए 'सम्पूर्णता अभियान' के लक्ष्यों को पूरा करने और पहचाने गए संकेतकों की पूर्ण संतृप्ति की दिशा में प्रगति में तेजी लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

- इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के रतलाम और सिंगरौली जैसे स्थानों पर अभियान के प्रमुख संकेतकों पर जोर देते हुए शिविरों का आयोजन भी शामिल था।

- आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के कुराबलाकोटा मंडल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का स्थानीय लोगों ने भारी उत्साह के साथ स्वागत किया।

- उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बांसगांव ब्लॉक तथा हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड ब्लॉक में सैकड़ों आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए क्षेत्रीय भोजन की पौष्टिक किस्मों को प्रदर्शित करने के लिए एकत्र हुई।

- 'सम्पूर्णता अभियान' का उत्सव मनाने के लिए सेल्फी बूथों का निर्माण भी किया गया जिन पर तस्वीरें क्लिक करते खुश चेहरे एक आम दृश्य थे।

- कुछ स्थानों पर अभियान के प्रमुख संकेतकों और लक्ष्यों के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा लक्षणों को प्राप्त करने के लिए संपूर्णता यात्राएं आयोजित की गई।

- हरियाणा के चरखी दादरी जिले के बधरा ब्लॉक में बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिताओं में भाग लेकर इस अनूठे कार्यक्रम को समर्थन भी दिया।

- साथ ही देश के कई हिस्सों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी स्टॉल, मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण आदि का आयोजन किया गया।

- उत्तर पूर्वी राज्यों में भी इस अभियान को बड़े जोर शोर से मनाया गया।

- अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले के चौखाम ब्लॉक में सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ किया।

- तीन महीने तक चलने वाले 'सम्पूर्णता अभियान' में शामिल प्रोग्राम :– जिला और ब्लॉक के अधिकारी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर ग्राम सभा, नुक्कड़ नाटक, पौष्टिक आहार मेला, स्वास्थ्य शिविर, आईसीडीएस शिविर, जागरूकता मार्च और रैलियां, प्रदर्शनी, पोस्टर मेकिंग और कविता प्रतियोगिता जैसी जागरूकता गतिविधियां आयोजित करना।

सम्पूर्णता अभियान' के फोकस क्षेत्र:

आकांक्षी ब्लॉक केपीआई:

1. पहली तिमाही के भीतर प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत;

2. ब्लॉक में लक्षित आबादी की तुलना में मधुमेह की जांच करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत;

3. ब्लॉक में लक्षित आबादी की तुलना में उच्च रक्तचाप की जांच करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत;

4. आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत;

5. मृदा नमूना संग्रह लक्ष्य के मुकाबले सृजित मृदा स्वास्थ्य कार्ड का प्रतिशत; और

6. 6. ब्लॉक में कुल स्वयं सहायता समूह के मुकाबले रिवॉल्विंग फंड प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूह का प्रतिशत

आकांक्षी जिला केपीआई:

1. पहली तिमाही के भीतर प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत;

2. आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत;

3. पूर्ण टीकाकरण वाले बच्चों का प्रतिशत (9-11 महीने) (बीसीजी+डीपीटी3+ओपीवी3+खसरा 1);

4. वितरित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या;

5. माध्यमिक स्तर पर बिजली की सुविधा से लैस स्कूलों का प्रतिशत; और

6. शैक्षणिक सत्र शुरू होने के 1 महीने के भीतर बच्चों को पाठ्यपुस्तकें प्रदान करने वाले स्कूलों का प्रतिशत।

शिक्षा' और राज्य सूची

- ❑ **चर्चा में क्यों :–** हाल ही में शिक्षा को समवर्ती सूची से हटकर राज्य सूची में लाने की बात की गई है

- ❑ शिक्षा वर्तमान में समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है इसीलिए इसके ऊपर केंद्र तथा राज्य दोनों समान रूप से कानून बना सकते हैं

पृष्ठभूमि: :–

- ❑ शिक्षा को भारत शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा प्रांतीय विधान सूची में जगह दी गई ।

- ❑ जबकि 1947 के बाद जब संविधान लागू हुआ तो शिक्षा को सातवीं अनुसूची के अंतर्गत राज्य सूची में जगह प्रदान की गई।

- शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रखने की सिफारिश स्वर्ण सिंह समिति द्वारा की गई।

- शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रखने के लिए कोई स्पष्ट कर्म को नहीं बताया गया था

- स्वर्ण सिंह समिति द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर ही 1976 ने   42वें संविधान संशोधन किया गया जिसके द्वारा इसे समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गण।

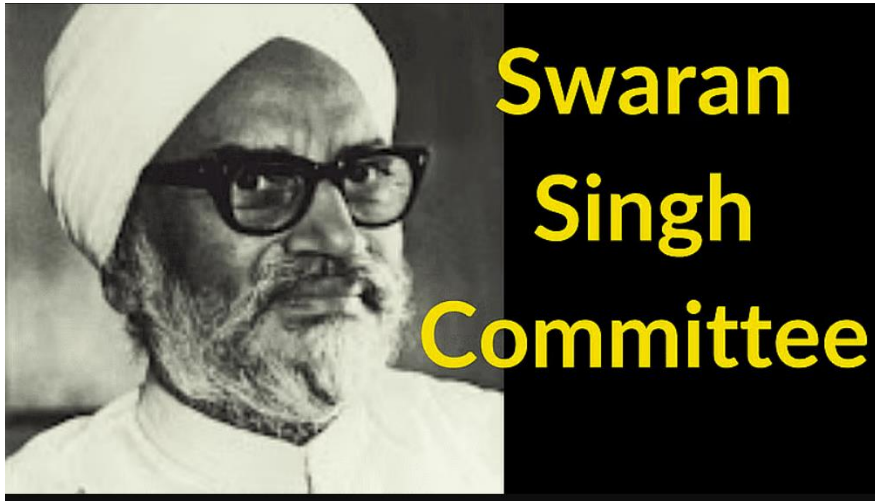

समवर्ती सूची में लाने के लाभ :–

- शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में शामिल करने से इसके ऊपर केंद्र तथा राज्य को समान रूप से नियम बनाने का अधिकार प्राप्त हो गया।

- समवर्ती सूची में शिक्षा को शामिल करने से उसपर अब अखिल भारतीय नीतियां तैयार जी जा सकती है।

- शिक्षा को पुन: समवर्ती सूची से राज्य सूची में स्थानांतरित करने के कारण :·

- अभी संपूर्ण देश में एक ही शिक्षा नीति को लागू किया जाता है किंतु भारत व्यवस्थाओं का देश है और एक ही शिक्षा नीति सभी क्षेत्र के लिए प्रभावकारी नहीं है।

- अगर शिक्षा राज्य सूची में शामिल की जाती है तो राज्य अपनी क्षेत्रीय जरूरत के अनुसार पाठ्यक्रम को तैयार कर सकते हैं

- हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है जिसमें बताया गया है कि शिक्षा के ऊपर राज्यों को अधिक धन खर्च करना पड़ता है इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में शिक्षा के ऊपर जहां राज्यों ने 76% खर्च किया तो वहीं केंद्र ने सिर्फ 24% धन खर्च किया।

जीका वायरस

- चर्चा में क्यों :– हाल ही में महाराष्ट्र में जीका वायरस से संबंधित कुछ केस पाए गए जिस कारण केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस वाइरस को लेकर एडवाइजरी जारी की है

जीका वायरस :–

- कैसे फैलता है :– संक्रमित एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से।

- एडीज एजिप्टी मच्छर मच्छर के काटने से ही डेंगू, चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसे अन्य रोग होते है।

- एडीज एजिप्टी मच्छर अधिकतर दिन में काटते हैं।

- कितना घातक है यह रोक :–   अधिक घातक नहीं।

- यह वायरस गर्भ में बच्चों के लिए ज्यादा घातक है। क्योंकि जब यह वाइरस किसी महिला को संक्रमित करता है तो यह वाइरस भ्रूण तक पहुंचकर भ्रूण में माइक्रोसेफली जैसे जन्मजात विकार का कारण बन सकता है

- जब   कोई माइक्रोसेफली विकार से पीड़ित होता है तो उसके सिर का आकार सामान्य बालक के सिर की तुलना में छोटा होता है।

- जीका वायरस से बचाव के लिए अभी तक कोई टीका या दवा उपलब्ध नहीं है।